'नमो भारत ट्रेन चलने से सड़कों पर निजी वाहन घटे, प्रदूषण भी कम हुआ

सप्ताह का साक्षात्कार

रीजनल रेल सेवा के तौर पर नमो भारत ट्रेन ने एनसीआर में बहुत कम समय में अपनी एक विशिष्ट पहचान बनाई है। फिलहाल यह ट्रेन 82 किमी लंबे केवल एक ही कारिडोर दिल्ली-मेरठ के बीच चल रही है लेकिन यात्रियों में ही नहीं, अनेक राज्य सरकारें भी इसे कुछ और कारीडोर पर चलते देखने की इच्छुक हैं। यात्रियों की बढ़ती संख्या के बीच अब इस ट्रेन की फ्रीक्वेंसी व रात्रि समय बढ़ाने की मांग भी होने लगी है। दैनिक जागरण के **संजीव गुप्ता** ने राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र परिवहन निगम (एनसीआरटीसी) के प्रबंध निदेशक **शलभ गोयल** से इन सब पहलुओं पर विस्तार से बातचीत की। प्रस्तुत हैं इस बातचीत के मुख्य अंश :-

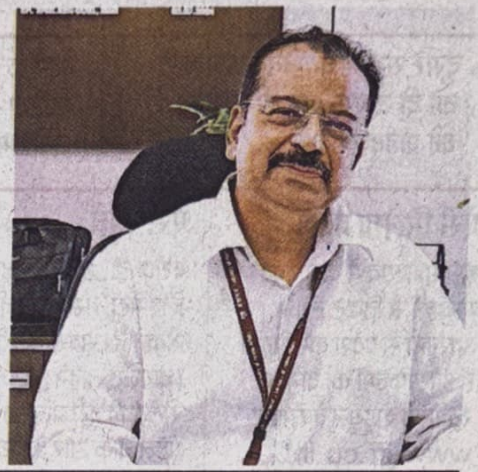

• नमो भारत ट्रेन शुरू होने से दिल्ली-गाजियाबाद -मेरठ में क्या बड़े बदलाव आए हैं?

- प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 22 फरवरी 2026 को पूरे कारिडोर की शुरुआत की थी। आज प्रतिदिन करीब एक लाख लोग इसमें सफर कर रहे हैं। गाजियाबाद और मेरठ (जैसे मोदीनगर, बेगमपुल) के लोग जो दिल्ली में नौकरी करते हैं, वे अब वापस अपने गृहनगर में रहने लगे हैं। मेरठ एक नए आवासीय केंद्र के रूप में उभर रहा है। इसके साथ ही गाजियाबाद और मेरठ में व्यापार, उद्योग और रियल एस्टेट के काम में तेजी आई है। स्टेशनों के पास घर, दुकानें, स्कूल और अस्पताल बनाए जा रहे हैं। शहरों के मास्टर प्लान 2031 में स्टेशनों के आसपास बेहतर विकास (टीओडी) पर जोर दिया जा रहा है।

• यह प्रोजेक्ट पर्यावरण संरक्षण में कैसे मदद कर रहा है?

- नमो भारत के आने से इस रूट पर पब्लिक ट्रांसपोर्ट का इस्तेमाल 37 प्रतिशत से बढ़कर 63 प्रतिशत तक हो गया है। एक अनुमान है कि सड़कों से करीब एक लाख निजी गाड़ियां कम हुई हैं, जिससे हर साल 2.5 लाख टन कार्बन उत्सर्जन घटेगा। ट्रेनें पूरी तरह बिजली से चलती हैं। इनमें ब्रेक लगाने पर 30 प्रतिशत बिजली वापस बनती है। छतों और ट्रैक पर सोलर पैनल लगाकर 15 मेगावाट सौर ऊर्जा बनाने का लक्ष्य है, अभी 7.4 मेगावाट बन रही है। दुहाई डिपो में ट्रैक के ऊपर भी सोलर पैनल लगाए गए हैं।

• "मेक इन इंडिया" के तहत क्या-क्या खास काम हुए हैं?

- परियोजना के निर्माण में लगभग 92 प्रतिशत सामान और तकनीक भारत की ही इस्तेमाल हुई है। नमो भारत की सभी ट्रेनों का डिजाइन हैदराबाद में तैयार हुआ और निर्माण गुजरात के सावली में किया गया है। सिग्नलिंग सिस्टम को "मेक इन इंडिया" के तहत लागू किया गया है। इसके अलावा, प्लेटफार्म स्क्रीन डोर्स, जो पहले विदेश से मंगाए जाते थे, उन्हें भी अब भारत में ही विकसित किया गया है।

• ट्रेनों के फेरे बढ़ाने और सुबह छह से रात 10 बजे के समय को बदलने की क्या योजना है?

उत्तर : कांवड़ यात्रा के दौरान यात्रियों की बढ़ती संख्या को देखते हुए ट्रेनों के चलने का अंतराल 10 मिनट से घटाकर आठ मिनट कर दिया गया था। जरूरत पड़ने पर भविष्य में हर तीन मिनट पर भी ट्रेनें चलाई जा सकती हैं। रात में ट्रेन सेवा बंद होने के बाद पटरियों और ट्रेनों के रखरखाव के लिए समय चाहिए होता है। इसलिए अभी समय यही रहेगा। भविष्य में समय बढ़ाने पर विचार किया जा सकता है।

• उपद्रवियों और शरारती तत्वों को रोकने के लिए क्या कदम उठाए जा रहे हैं?

- गंदगी और थूकने (गुटखा, पान, तंबाकू आदि) के खिलाफ समय-समय पर अभियान चलाए जाते हैं।

कर्मचारियों की सूझबूझ से हाल ही में सराय काले खां स्टेशन पर एक बच्चे को सुरक्षित उसके परिवार से मिलाया गया। सुरक्षा एजेंसियों के सहयोग से एडवांस्ड सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं, जिससे किसी भी संदिग्ध या अपराधी व्यक्ति के स्टेशन पर आते ही तुरंत पहचान कर कार्रवाई की जा सके।

• यात्रियों के लिए स्टेशनों पर क्या-क्या नई सुविधाएं दी जा रही हैं?

- स्टेशनों पर खाने-पीने की दुकानें, बैंक सेवा, आधार केंद्र और सामान रखने के लिए स्मार्ट लाकर मौजूद हैं। गाजियाबाद स्टेशन पर एक "को-वर्किंग स्पेस" (काम करने की जगह) भी शुरू किया गया है। पर्यावरण को ध्यान में रखते हुए इलेक्ट्रिक गाड़ियों के लिए चार्जिंग पाइंट बनाए जा रहे हैं, जो अभी नौ स्टेशनों पर उपलब्ध हैं।

• उत्तर प्रदेश में लगने वाले सोलर पावर प्लांट की क्या योजना है?

- एनसीआरटीसी उत्तर प्रदेश के जालौन जिले में 450 करोड़ रुपये की लागत से 110 मेगावाट का सोलर प्लांट लगा रहा है। इस प्लांट से मिलने वाली सौर ऊर्जा से नमो भारत कारिडोर की 60 प्रतिशत बिजली की जरूरत पूरी होगी। इससे हर साल 1.77 लाख टन कार्बन उत्सर्जन में कमी आएगी।

• आने वाले समय में अन्य नमो भारत रूटों की क्या स्थिति है?

- दिल्ली-पानीपत- करनाल और दिल्ली- एसएनबी-बहरोड़ रूट को केंद्र सरकार से जल्द मंजूरी मिलने की उम्मीद है।

गाजियाबाद-जेवर और नोएडा-फरीदाबाद-गुरुग्राम रूट की डीपीआर तैयार की जा रही है। देश के आर्थिक सर्वेक्षण में भी भारत भर में लगभग 2,900 किमी लंबे नए नमो भारत कारिडोर बनाने की संभावना जताई गई है।